POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

नवीन लोक प्रशासन

नवीन लोक प्रशासन 1960 के दशक के उत्तरार्द्ध में एक आंदोलन के रूप में प्रारंभ हुआ। इसके प्रमुख समर्थक एच. जार्ज फ्रेडरिकसन हैं जिनकी कृति 'न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' है। नवीन लोकप्रशासन, लोक प्रशासन के सम्बंध में नई दार्शनिक दृष्टि का बोध कराता है। समस्त प्रशासनिक क्रियाविधियों की धुरी मनुष्य है और मनुष्य को कुशलता के यांत्रिक सांचे में बांधकर नहीं रखा जा सकता। अत: प्रशासन को मानव उन्मुखी होना चाहिए। साथ ही साथ प्रशासन का दृष्टिकोण मूल्य आधारित होना चाहिए। शोध सामाजिक समस्याओं से सम्बद्ध होने चाहिए।

1967 में सार्वजनिक सेवाओं संबंधी उच्च शिक्षा पर हनी रिपोर्ट के प्रकाशन के साथ ही 'नवीन लोक प्रशासन' को मान्यता प्राप्त हुई। इसके अलावे नवीन लोक प्रशासन को आगे बढ़ाने में मिन्नोब्रुक (1968) सम्मेलन, फ्रेंक मेरीनी की पुस्तक 'टूवार्ड्स न्यू पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन : मिन्नोब्रुक पर्सपेक्टिव', तथा ड्वाइट वाल्डो की रचना 'पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन इन ए टाइम ऑफ टर्बुलेन्स' का प्रशंसनीय योगदान रहा।